

	: : आयुक्त (अपील्स) का कार्यालय, वस्तु एवं सेवा करबीरकेन्द्रीय उत्पाद शुल्क : : O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), GST & CENTRAL EXCISE	 सत्यमेव जयते
	द्वितीय तल, जी एस टी भवन / 2 nd Floor, GST Bhavan रेस कोर्स रिंग रोड / Race Course Ring Road <u>राजकोट / Rajkot - 360 001</u> Tele Fax No. 0281 - 2477952/2441142 Email: commrappl3-cexamd@nic.in	

DIN20230264SX0000006E7D

क अपील / फाइल संख्या /
 Appeal / File No.
GAPPL/COM/STP/3293/2022

मूल आदेश सं /
 O.I.O. No.
429/AC/NIS/BVR-3/22-23

दिनांक / Date
16-09-2022

अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.):

BHV-EXCUS-000-APP-048-2023

आदेश का दिनांक /

Date of Order:

15.02.2023

जारी करने की तारीख /

Date of issue: 20.02.2023

श्री शिव प्रताप सिंह, आयुक्त (अपील्स), राजकोट द्वारा पारित /

Passed by Shri Shiv Pratap Singh, Commissioner (Appeals), Rajkot.

ग अपर आयुक्त/ संयुक्त आयुक्त/ उपायुक्त/ सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/ सेवाकर/ वस्तु एवं सेवाकर, राजकोट / जामनगर / गांधीधाम द्वारा उपरलिखित जारी मूल अधिश से सृजित: /

Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central Excise/ST / GST, Rajkot / Jamnagar / Gandhidham :

घ अपीलकर्ता/प्रतिवादी का नाम एवं पता / Name & Address of the Appellant & Respondent :-

M/s. Prabhavantiben Kantilal Kanani, 01, Jalaram Teacentre, New Bazar, Babra Amreli-365421

इस आदेश/आपील से अग्रिम कोई व्यक्ति निम्नलिखित तरीके में उपयुक्त प्राधिकारी / प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर कर सकता है। / Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way.

(A) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलार्थी न्यायाधिकरण के प्रांतीय अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35B के अंतर्गत एवं वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 के अंतर्गत निम्नलिखित जगह की जा सकती है। /

Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to:-

(i) वर्गीकरण मूल्यांकन से सम्बन्धित सभी मामले सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, वेस्ट ब्लॉक नं 2, आर.के. पुरम, नई दिल्ली, की जा सकती है। /

The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Puram, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.

(ii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बतवाए गए अपीलों के अलावा शेष सभी अपीलों सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) की प्रांतीय अपील, द्वितीय तल, बहुभाषी भवन असारवा अहमदाबाद- 380016 की जा सकती है। /

To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at 2nd Floor, Bhaumali Bhawan, Asarwa Ahmedabad-380016 in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above

(iii) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमावली, 2001, के नियम 6 के अंतर्गत निर्धारित किए गये प्रपत्र EA-3 को चार प्रतियों में दर्ज किया जाना चाहिए। इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना, रुपये 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपये या 50 लाख रुपये तक अथवा 50 लाख रुपये से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्ट्रार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्वयं आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपये का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। /

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/- Rs.5000/-, Rs.10,000/- where amount of duty demand/interest/penalty/refund is upto 5 Lac., 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of any nominated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-

B)

अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86(1) के अंतर्गत सेवाकर नियमावली, 1994, के नियम 9(1) के तहत निर्धारित प्रपत्र S.T.-5 में चार प्रतियों में की जा सकती है एवं उसके साथ जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गयी हो, उसकी प्रति साथ में संलग्न करें (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां सेवाकर की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना, रुपये 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपये या 50 लाख रुपये तक अथवा 50 लाख रुपये से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्ट्रार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्वयं आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपये का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। /

The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and Shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fee of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-.



- (ii) वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 की उप-धाराओं (2) एवं (2A) के अंतर्गत दर्ज की गयी अपील, सेवाकर नियमवाली, 1994, के नियम 9(2) एवं 9(2A) के तहत निर्धारित प्रपत्र S.T.-7 में की जा सकेगी एवं उसके साथ आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क द्वारा पारित आदेश की प्रतियाँ संलग्न करें (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और आयुक्त द्वारा सहायक आयुक्त अथवा उपायुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/ सेवाकर, को अपीलीय न्यायाधिकरण को आवेदन दर्ज करने का निर्देश देने वाले आदेश की प्रति भी साथ में संलग्न करनी होगी। / The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in Form ST.7 as prescribed under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise or Commissioner, Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissioner authorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excise/ Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal.
- (iii) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय प्राधिकरण (सेस्टेट) के प्रति अपीलों के मामले में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944 की धारा 35एफ के अंतर्गत, जो की वित्तीय अधिनियम, 1994 की धारा 83 के अंतर्गत सेवाकर की भी लागू की गई है, इस आदेश के प्रति अपीलीय प्राधिकरण में अपील करते समय उत्पाद शुल्क/सेवा कर मांग के 10 प्रतिशत (10%), जब मांग एवं जमाना विवादित है, या जमाना, जब केवल जमाना विवादित है, का भुगतान किया जाए, बशर्ते कि इस धारा के अंतर्गत जमा कि जाने वाली अपेक्षित देय राशि दस करोड़ रुपये से अधिक न हो।
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत "मांग किए गए शुल्क" में निम्न शामिल है
- (iv) धारा 11 बी के अंतर्गत रकम
(v) सेनवेट जमा की ली गई गलत राशि
(vi) सेनवेट जमा नियमवाली के नियम 6 के अंतर्गत देय रकम
- बशर्ते यह कि इस धारा के प्रावधान वित्तीय (सं. 2) अधिनियम 2014 के अंश से पूर्व किसी अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष विचाराधीन स्थान अर्थात् अपील को लागू नहीं होगा। / For an appeal to be filed before the CESTAT, under Section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under Section 83 of the Finance Act, 1994, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute, provided the amount of pre-deposit payable would be subject to a ceiling of Rs. 10 Crores.
- Under Central Excise and Service Tax, "Duty Demanded" shall include :
(iv) amount determined under Section 11 D;
(v) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
(vi) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules
- provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.
- (C) भारत सरकार कोपनीकरण आवेदन :
Revision application to Government of India:
इस आदेश की पुनरीक्षणयाचिका निम्नलिखित मामलों में, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा 35EE के प्रथमपूरतक के अंतर्गत अवर अधिनियम, भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन इकाई, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवन दीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001, को किया जाना चाहिए। / A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35B ibid:
- (i) यदि माल के किसी नुकसान के मामले में, जहां नुकसान किसी माल को किसी कारखाने से भंडार गृह के पारगमन के दौरान या किसी अन्य कारखाने या फिर किसी एक भंडार गृह से दूसरे भंडार गृह पारगमन के दौरान, या किसी भंडार गृह में या भंडारण में माल के प्रसंस्करण के दौरान, किसी कारखाने या किसी भंडार गृह में माल के नुकसान के मामले में। / In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse
- (ii) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात कर रहे माल के विनिर्माण में प्रयुक्त कच्चे माल पर चरी गई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के छूट (रिबेट) के मामले में, जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात की गयी है। / In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.
- (iii) यदि उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर, नेपाल या भूटान को माल निर्यात किया गया है। / In case of goods exported outside India without payment of duty.
- (iv) सुनिश्चित उत्पाद के उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो क्यूटी केबीटी इस अधिनियम एवं इसके विभिन्न प्रावधानों के तहत मान्य की गई है और ऐसे आदेश को आयुक्त (अपील) के द्वारा वित्त अधिनियम (नं. 2), 1998 की धारा 109 के द्वारा निर्यात की गई तरीक अथवा समायाचिका पर या बाद में पारित किए गए हैं। / Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998.
- (v) उपरोक्त आवेदन की दो प्रतियां प्रपत्र संख्या EA-8 में, जो की केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमवाली, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट है, इस आदेश के संश्लेषण के 3 माह के अंतर्गत की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदन के साथ मूल आदेश न अपील आदेश की दो प्रतियां संलग्न की जानी चाहिए। साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 95-EE के तहत निर्धारित शुल्क की अदायगी के साथ के तौर पर TR-6 की प्रति संलग्न की जानी चाहिए। / The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OI/O and Order-In-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.
- (vi) पुनरीक्षण आवेदन के साथ निम्नलिखित निर्धारित शुल्क की अदायगी की जानी चाहिए।
जहाँ संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम है तो रुपये 200/- का भुगतान किया जाए और यदि संलग्न रकम एक लाख रुपये से ज्यादा हो तो रुपये 1000 -/ का भुगतान किया जाए।
The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.
- (D) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुल्क का भुगतान, उपरोक्त ङं से किया जाना चाहिये। इस तथ्य के होते हुए भी की लिखा पत्रों कार्य से बचने के लिए यथास्थिति अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है। / In case, if the order covers various umbers of order-in-Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner, notwithstanding the fact that the one appeal to the Appellate Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each.
- (E) यथासंशोधित न्यायालय शुल्क अधिनियम, 1975, के अनुसूची-I के अनुसार मूल आदेश एवं स्थगन आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए। / One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs.6.50 as prescribed under Schedule-I in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended.
- (F) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्य विधि) नियमवाली, 1982 में वर्णित एवं अन्य संबंधित मामलों को सम्मिलित करने वाले नियमों की और भी ध्यान आकर्षित किया जाता है। / Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.
- (G) उच्च अपीलीय प्राधिकारी को अपील दाखिल करने से संबंधित व्यापक, विस्तृत और नवीनतम प्रावधानों के लिए, अपीलापीय विभागीय वेबसाइट www.cbec.gov.in को देख सकते हैं। / For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website www.cbec.gov.in.



:: अपील आदेश / ORDER-IN-APPEAL ::

M/s. Prabhavantiben Kantilal Kanani Prop. M/s. Jalaram Tea Centre, Babra (hereinafter referred to as "Appellant") has filed the present Appeal against Order-in-Original No. 429/AC/NIS/BVR-3/22-23 dated 16.09.2022 (hereinafter referred to as 'impugned order') passed by the Assistant Commissioner, Central GST Division-3, Bhavnagar (hereinafter referred to as 'adjudicating authority').

2. The facts of the case, in brief, are that the Income Tax Department shared the third party information/ data based on Income Tax Returns/ 26AS for the Financial year 2015-16 of the Appellant. Letter dated 01.03.2021 was issued by the Jurisdictional Range Superintendent requesting the Appellant to provide information/documents viz. copies of I.T. Returns, Form 26AS, Balance Sheet (including P&L Account), VAT/ Sales Tax Returns, Annual Bank Statement, Contracts/ Agreements entered with the persons to whom services provided etc. for the Financial year 2015-16. However, no reply was received from the Appellant.

3. In absence of data/information, a Show Cause Notice dated 12.04.2021 was issued to the Appellant, demanding Service Tax and cess to the tune of Rs. 22,60,926/- under Section 73(1) of the Finance Act, 1994 (hereinafter referred to as 'the Act') alongwith interest under Section 75 of the Act. It was also proposed to impose penalties under Section 78, 77(1)(a), 77(2) and 77(1)(c) of the Act upon the Appellant.

4. The above Show Cause Notice was adjudicated by the adjudicating authority vide the impugned order confirming Service Tax demand of Rs. 22,60,926/- under Section 73(1) along with interest under Section 75 of the Act, imposed penalty of Rs. 22,60,926/- under Section 78 of the Act, imposed penalty of Rs. 5,000/- each under Section 77(1)(a) and 77(2) of the Act.

5. Being aggrieved, the Appellant has preferred the present appeal on various grounds that she is aged 79 and doing business with support of her family members in the name and style of M/s. Jalaram Tea Centre engaged in sales and purchase of tea, salt and allied material at Babra. In the income tax return, they have mistakenly mentioned the sales amount as sale of services. The order passed by the Adjudicating Authority is perverse, in curium and thus liable to be set aside. The Adjudicating Authority has even verified his own order of same party for financial year 2015-16. The same submission also given to the Adjudicating Authority and he granted the order with Nil demand. The Adjudicating Authority does not even club the case of same party with same authority. They are having trading activities of tea which is exempt from Service



Handwritten signature

Tax. The Show Cause Notice is time barred. No personal hearing was given to them and the impugned order passed without hearing opportunity. There is no suppression of facts, fraud etc. with intent to evade payment of Service Tax. The Adjudicating Authority erred in law in levying penalties..

6. The matter was posted for hearing on 14.02.2023. Shri Bhavesh Purohit, Advocate appeared for personal hearing and submitted that the appellant is a tea trader, who was registered under VAT and subject to audit. Audit report, balance sheet, profit & loss account, Form 26AS, copy of Income Tax return and VAT return are enclosed. The Appellant had replied to jurisdictional Range Superintendent vide letter dated 08.09.2021 (page-21) and to the Show Cause Notice vide letter dated nil (page-18), enclosing all required documents but the Adjudicating Authority passed the impugned ex-parte order. He requested to set aside the impugned order and to allow the appeal.

7. I have carefully gone through the case records, impugned order and appeal memorandum filed by the Appellant. I find that the issue to be decided in the case on hand is whether the activity carried out by the appellant is liable to Service Tax or otherwise.

8. I find that Show Cause Notice had been issued without verifying any data or nature of services provided by the Appellant as the same had been issued only on the basis of data received from the Income Tax department and the Adjudicating Authority has confirmed the demand of Service Tax vide impugned order.

9. It is on record that the Appellant is having a proprietorship firm in the name and style of Prabhavantiben Kantilal Kanani (Prop.: Jalaram Tea Centre), Babra. The Appellant submitted the copies of Form 26AS, Balance Sheet, Profit & Loss account, trading account for the year 2015-16. On verification of books of account, it reveals that the Appellant is engaged in the business of retailers as mentioned at column No. 10(a) of Form No. 3CD. As per Trading & Profit & Loss account for the year 2015-16, there is mention of by sales (tea etc.) of Rs. 1,55,92,589.10 and to purchases (tea etc.) of Rs. 1,56,54,245.15 alongwith figures of opening stock and closing stock as well. They have also produced copy of VAT Form-205 for the year 2015-16 wherein there is mention of sales and purchases which is tallied with the figures mentioned in the Trading & Profit & Loss account for the year 2015-16. The demand raised by the Adjudicating Authority on the value is nothing but the sale of goods as mentioned in the trading account and hence the Appellant is engaged in sale and purchase of goods which is nothing but the trading of goods. On going through all these ingredients, it is proved that the Appellant is engaged in trading of goods of tea etc. The trading is not the service and is exempt from Service Tax.



Signature

10. I find that the term 'service' is defined under Section 65(44) of the Act as under:

"Service means any activity carried out by a person for another for consideration, and includes a declared service, but shall not include-

(a) An activity which constitute merely-

(i) A transfer of title in goods or immovable property, by way of sale, gift or in any other manner; or

(ii)....

(iii)"

Under Section 66B of the Act, service tax shall be levied on the value of all services, other than those service specified in the negative list. Negative list denotes the list of services on which no service tax is payable under Section 66B of the Act. As per Section 66D (e), trading of goods is a service specified under the negative list which is as under:

"SECTION 66D. Negative list of services.-

The negative list shall comprise of the following services, namely :-

(a)....

(b)

(c)

(d)....

(e) trading of goods;"

Accordingly, on the activity of trading of goods, no service tax is payable.

10.1 Section 66B provides that service tax is leviable on all 'services' other than the services specified under the negative list. Therefore, for being subject to service tax an activity needs to qualify as a service first. The term 'service' is defined under Section 65B (44) which specifically excludes an activity of mere transfer of title in goods by way of sale. Thus, the activity of trading which is merely buying and selling of the goods is not a service. Hence, the question of service tax levy on the same does not arise. Accordingly, it is not liable to service tax, as the same is not a service. Further, negative list of services comprises services but an activity of trading of goods is not a service, therefore it can be specified under the negative list of services.

11. In view of discussions and finding, I set aside the impugned order and allow the appeal filed by the Appellant.

12. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है ।

12. The appeal filed by Appellant is disposed off as above.

सत्यापित / Attested

(शिव प्रताप सिंह)/(Shiv Pratap Singh),

आयुक्त (अपील)/Commissioner (Appeals)



आर. एस. बोरीचा / R. S. BORICHA
अधीक्षक / Superintendent
के. व. एवं सेवा कर अपील, राजकोट
CGST Appeals, Rajkot

By R.P.A.D.

<p>To, M/s. Prabhavantiben Kantilal Kanani Prop. M/s. Jalaram Tea Centre, New Bazar, Babra, Dist.: Amreli.</p>	<p>सेवा में, मे. प्रभावंतीबेन कांतिलाल कानाणी मालिक: जलाराम टी सेंटर, नवी बाजार, बाबरा, जिल्ला: अमरेली ।</p>
--	--

प्रतिलिपि :-

- 1) मुख्य आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, गुजरात क्षेत्र, अहमदाबाद को जानकारी हेतु।
- 2) आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, भावनगर आयुक्तालय, भावनगर को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
- 3) अपर आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, भावनगर को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
- 4) सहायक आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मण्डल-3, भावनगर को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
- 5) गार्ड फाइल।

